"प्ररूप 26"

(नियम 4क देखिए)

38- गया (अ.जा.) संसदीय

निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम)........ लोकसभा ........(सदन का नाम) के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग—क

मैं ........ अशोक कुमार ........ **पुत्र/~~पुत्री/पत्नी~~ ........ देवकी राम ........ आयु ........ वर्ष, जो मु०- अम्बेदकर नगर, पुलिस लाईन रोड थाना- रामपुर, पो० रामपुर, जिला- गया ........(डाक का पूरा पता लिखें) का/~~की~~ निवासी हूं और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूं सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/~~करती हूं~~ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/~~करती हूं~~ :—

(1) मैं ........ झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ........(**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा है।

**(**जो लागू न हो उसे काट दीजिए)**

(2) मेरा नाम 230- गया टाउन, बिहार ........(निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं० ........ 141 ........ के क्रम सं० ........ 1216 ........ पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा मो० ~~संपर्क~~ टेलीफोन नं. 8987230106 ........ है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) ........ शून्य ........ है।

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

| क्रम सं. | नाम | पैन | वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है। | आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वयं | AYYPK6799G | 2012-13 | 5 लाख |
| 2. | पति या पत्नी | शून्य | शून्य | शून्य |
| 3. | आश्रित—1 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 4. | आश्रित—2 | शून्य | शून्य | शून्य |
| 5. | आश्रित—3 | शून्य | शून्य | शून्य |

मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूं जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए है।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध(अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :–

(i) निम्नलिखित मामला(मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

| | | |
|---|---|---|
| (क) | मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे | शून्य |
| (ख) | संबंधित अधिनियम(अधिनियमों) की धारा(धाराएं) और अपराध(अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है। | शून्य |
| (ग) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेष की तारीख | शून्य |
| (घ) | न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप(आरोपों) की विरचना की गई | शून्य |
| (ड) | तरीख(तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे | शून्य |
| (च) | क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/है | शून्य |

(ii) निम्नलिखित मामला(मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है {पूर्वोक्त मदद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न}

| | | |
|---|---|---|
| (क) | न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख | शून्य |
| (ख) | उन मामलों के ब्योरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम(अधिनियमों) की धारा(धाराएं) और अपराध(अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके(जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है। | शून्य |
| (ग) | पूर्वोक्त आदेष(आदेषों) के विरूद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील(अपीलों)/आवेदन(आवेदनों)(यदि कोई हो) के ब्यौरे | शून्य |

(6) मुझे किसी अपराध(अपराधों)(लोक प्रतिनिधित्व, अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 की उपधारा(1) या उपधारा(2) में निर्दिष्ट या उपधारा(3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध(अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ~~ठहराया गया है~~/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेष ~~दिया गया है~~/नहीं दिया गया है :

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा। :

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है :

| | | |
|---|---|---|
| (क) | उन मामलों के ब्यौरे, अधिनियम(अधिनियमों) की धारा(धाराएं) और अपराध(अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके(जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है। | शून्य |
| (ख) | न्यायालय(न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश(आदेशों) की तारीख(तारीखें) | शून्य |
| (ग) | अधिरोपित दंड | शून्य |
| (घ) | क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान परिस्थिति | शून्य |

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों(जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पणी 1–संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पणी 2–जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पणी 3–सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/षेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पणी 4–यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण(5) में हैं।

टिप्पणी 5–रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | हाथ में नकदी | 50,000/= | 10,000/= | 5,000/= | 5,000/= | 5,000/- |
| (ii) | बैंक खातों में जमा के ब्यौरे(नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम | सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया [illegible] कॉलेज [illegible] 8,000/= | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/षेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरें और रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम | L.I.C 6 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | मोटरयान / वायुयान / याट / पोत (मेक रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vii) | जेवरात, बुलियान और मूल्यवान वस्तु (वस्तुए)(भार और मूल्य के ब्यौरे) | शून्य | सोना 20 gm 60 हजार | शून्य | शून्य | शून्य |
| (viii) | कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों / हित का मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ix) | समग्र कुल मूल्य | 6 लाख 58 हजार | 70,000/= | 5,000/= | 5,000/= | 5,000/= |

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पणी 1–संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्षित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पणी 2–प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) | ज्ञात नहीं | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (एकड़ में कुल माप) | 1/2 एकड़ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं) | हाँ | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दषा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दषा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | एक लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दषा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दषा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दषा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दषा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) | | | | | |
| | क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | 980 वर्गफीट | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप) | 900 वर्गफीट | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्या विरासत में आई संपत्ति है(हां या नहीं) | हां | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | स्वार्जित संपत्ति की दषा में क्रय की तारीख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | क्रय के समय भूमि की लागत(क्रय की दषा में) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान | एक्का मकान | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | अनुमानित चालू बाजार मूल्य | 10 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (v) | अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित) | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (vi) | पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य | 11 लाख | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :–

(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

| क्रम सं. | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (i) | बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | कोई अन्य दायित्व | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | दायित्वों का कुल योग | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (ii) | सरकारी शोध्य : सरकारी आवास से बरतने वाले विभागों को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | जल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | टेलीफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | आय–कर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | धनकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | सेवाकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | विक्रयकर शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| | कोई अन्य शोध्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iii) | सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |
| (iv) | क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें। | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य | शून्य |

NOTARY KUMAR ... GAYA GOVT. OF BIHAR (INDIA)

(9) वृति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं........ अर्द्ध सरकारी नौकरी

(ख) पति या पत्नी........ गृहणी

(10) मेरी शैक्षणिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है :–

स्नातकोत्तर (इतिहास), मगध विश्वविद्यालय बोधगया, स्नातकोत्तर विभाग इतिहास

वर्ष - 1985

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालयों/विष्वविद्यालय षिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विष्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

## भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरे का उद्धरण

| | | |
|---|---|---|
| 1 | अभ्यर्थी का नाम | श्री/श्रीमती/कु0 अशोक कुमार |
| 2 | डाक का पता | मु० अम्बेदकर नगर, पुलिस लाईन रोड पो० रामपुर, जिला- गया-823001. |
| 3 | निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य | 38- गया (अ.जा.) लोकसभा, बिहार |

| | | |
|---|---|---|
| | उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है(अन्यथा स्वतंत्र लिखें) | झारखण्ड मुक्ति मोर्चा |
| 5 | (i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं। | शुन्य |
| | (ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय(न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (उपर मद (i) उल्लिखित मामलों से भिन्न) | शुन्य |
| 6 | ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्वदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियमत्र 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा(2) या उपधारा(3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए) | शुन्य |

| 7 | | ................... का स्थायी लेखा सं0 | वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है | कुल दर्षित आय |
|---|---|---|---|---|
| | (क) अभ्यर्थी | AYYPR6799G | 2012-13 | 5 लाख |
| | (ख) पति या पत्नी | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | (ग) आश्रित | शुन्य | शुन्य | शुन्य |

| 8 | आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में) शुन्य | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | विवरण | स्वयं | पति या पत्नी | आश्रित–1 | आश्रित–2 | आश्रित–3 |
| (क) | जगंम आस्तियां (कुल मूल्य) | | | | | |
| | पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यक्तियों, निकाय को ऋण या शोध्य राश, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| ख | स्थावर आस्तियां | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | i स्वअर्जित स्थावर संपति की क्रय कीमत | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | ii क्रय के पश्चात स्थावर संपति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो) | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | iii निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | क) स्वअर्जित आस्तियां (कुल मूल्य)<br>ख) विरसती आस्तियां (कुल मूल्य) | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| 9 | दायित्व | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | (i) सरकारी शोध्य (कुल) | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | (ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| 10 | ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है | | | | | |
| | (i) सरकारी शोध्य (कुल) | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |
| | (ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल) | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य | शुन्य |

| | |
|---|---|
| 11 | उच्चतम शैक्षणिक अर्हता : स्नातकोत्तर (इतिहास) मगध वि. वि. बोधगया, 1985 |
| | (प्रमाणपत्र/डिपलोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय ... |

# सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :–

(क) मेरे विरूद्व उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्वि का मामला या लंबित मामलें से भिन्न कोई दोषसिद्वि का मामला नहीं है,

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 20·03·2014 को सत्यापित किया गया।

मनोज कुमार

अभिसाक्षी

NOTARY KUMAR BINOD Reg. No. ... GAYA GOVT. OF BIHAR (INDIA)

टिप्पण 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3.00 बजे अपराहन तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्यरूप से साफ–साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण 5. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को रिट संख्या 121–2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ–पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देषन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देषन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देषन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगें।

टिप्पण–6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायेंह" /है 8987230106.

मेरा ई–मेल आई०डी० (अगर कोई हो) है शून्य

एवं मेरा सोषल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है शून्य

Identified by Nand Kishore Yadav Adv. 20.03.2014

Book No 01 Sl No 66 Date 20·03·14.
Solemnly affirmed before me.
20/03/14.
Notary, Gaya (Bihar)